भारत सरकार
पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय
लोक सभा
अतारांकित प्रश्न सं. 2361
बुधवार, 21 दिसम्बर, 2022 को उत्तर दिए जाने के लिए

समुद्र का बढ़ता जल स्तर

†2361. श्री डी.के. सुरेश:
श्री रतन लाल कटारिया:
श्रीमती सुमलता अम्बरीश:

क्या पृथ्वी विज्ञान मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या यह सच है कि पिछली शताब्दी में समुद्र का जल स्तर बढ़ा है और हाल के दशकों में इसकी गति में तेजी आई है;

(ख) यदि हां, तो क्या समुद्र के स्तर में वृद्धि के कारण तटीय कटाव की घटनाओं में वृद्धि हो रही है;

(ग) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और सरकार द्वारा इसे रोकने के लिए क्या कदम उठाए गए हैं;

(घ) क्या विगत पंद्रह वर्षों में देश में किसी तटीय क्षेत्र का नुकसान हुआ है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और

(ङ) क्या केन्द्र सरकार विभिन्न राज्य सरकारों के साथ मिलकर समुद्र में चक्रवात के कारण विस्थापित हुए या पलायन के लिए बाध्य किए गए व्यक्तियों की सहायता और पुनर्वास हेतु कोई कार्य-योजना तैयार कर रही है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर
विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी तथा पृथ्वी विज्ञान राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार)
(डॉ. जितेंद्र सिंह)

(क) जी, हां। इंटरगवर्नमेंटल पैनल फॉर क्लाइमेट चेंज (**IPCC-AR6 WG1**) की हाल की एक रिपोर्ट में कहा गया है कि हाल के दशकों में वैश्विक औसत समुद्र स्तर अभूतपूर्व रूप से तीव्र गति से बढ़ रहा है। औसत समुद्री स्तर की वृद्धि **1901-1971** के बीच **1.3** मिमी/वर्ष से बढ़कर **2006-2018** के बीच **3.7** मिमी/वर्ष हो गई।

(ख) जी, हां।

(ग) और (घ) पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय का एक संबद्ध कार्यालय, राष्ट्रीय तटीय अनुसंधान केंद्र, चेन्नई, रिमोट सेंसिंग डेटा और जीआईएस मैपिंग तकनीकों का उपयोग करके 1990 से तटरेखा के क्षरण की निगरानी कर रहा है। 1990 से 2018 तक मुख्य भूमि की 6,632 किलोमीटर लंबी भारतीय तटरेखा का विश्लेषण किया गया है। यह नोट किया गया है कि लगभग 33% तटरेखा में अलग-अलग डिग्री सेक्षरण हो रहा है, 26% क्षरण बढती प्रकृति का है और शेष 41% स्थिर स्थिति में है। देखे गए परिवर्तन समुद्र के स्तर में वृद्धि सहित प्राकृतिक प्रक्रियाओं और मानवजनित गतिविधियों से प्रेरित हो सकते हैं।

राज्यवार ब्यौरा नीचे दिया गया है:

क्र.सं.	राज्य		तट की लंबाई (किमी में)	क्षरण	
				किमी	%
1	पश्चिमीतट	गुजरात	1945.60	537.5	27.6
2		दमण और दीव	31.83	11.02	34.6
3		महाराष्ट्र	739.57	188.26	25.5
4		गोवा	139.64	26.82	19.2
5		कर्नाटक	313.02	74.34	23.7
6		केरल	592.96	275.33	46.4
7	पूर्वीतट	तमिलनाडु	991.47	422.94	42.7
8		पुदुच्चेरी	41.66	23.42	56.2
9		आंध्र प्रदेश	1027.58	294.89	28.7
10		ओडिशा	549.50	140.72	25.6
11		पश्चिमबंगाल	534.35	323.07	60.5
कुल			6907.18	2318.31	33.6

(ड.) भारत मौसम विज्ञान विभाग, नई दिल्ली में स्थित चक्रवात चेतावनी प्रभाग उत्तरी हिंद महासागर में विकसित होने वाले उष्णकटिबंधीय चक्रवातों की निगरानी करने, पूर्वानुमान करने और चेतावनी सेवाओं को जारी करने के लिए एक क्षेत्रीय विशेष मौसम विज्ञान केंद्र के रूप में कार्य करता है। राज्य स्तर पर प्रचालन चेतावनी गतिविधियों को पूरा करने तथा संबंधित अनुसंधान और विकास गतिविधियां करने के लिए भारत मौसम विज्ञान विभाग के चेन्नई, कोलकाता और मुंबई में तीन क्षेत्र चक्रवात चेतावनी केंद्र हैं और अहमदाबाद, भुवनेश्वर, तिरुवनंतपुरम और विशाखापत्तनम में चार चक्रवात चेतावनी केंद्र हैं।

*****